Daily Gospel Reflections in Hindi

22 August 2019

लूकस 12 : 49 – 53

I came to bring fire to the earth

वैसें तो प्रभु येसु की हर शिक्षा उस समय की प्रचलित शिक्षा से अलग और क्रांतिकारी थे लेकिन आज का सुसमाचार पाठ में प्रभु की वाणी में वास्तव में विद्रोही स्वर मिलते हैं। वे चाहते हैं कि उन के अंदर की आग दुनिया में फैल जाये। इतना ही नही वे कहते हें कि वे मेल के लिए नहीं लेकिन बल्कि अलगाव के लिए आये हैं। जो प्रभु अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत धन्यहै जो मेल कराते हैं वे ईश्वर के पुत्र कहलायेंगें उन्हीं के मुख से बटवारें की बात अजीब लगती है। लेकिन काश हम हर एक में प्रभु की ही तरह वही आग होती तो आज प्रभु का वचन संसार के हर कोने में सुनाया जा चुका होता और हर प्राणी प्रभु के प्रेम को जान चुके होते। तब प्रभु द्वारा भेजे गये केवल 12 प्रेरित थे जिन्होने संभवतः उस समय के हर संभव प्रांत में सुसमाचार का प्रचार किया लेकिन आज हर प्रकार के अत्याधुनिक तकनीक के बाद भी लाखों की संख्या में लोग प्रभु के सुसमाचार से अंजान हैं। मैं संत पॉलुस के वचन को इस तरह से कहना चाहुँगा धिक्कार है हमें यदि हम सुसमाचर का प्रचार ना करें। कारण हमारे अंदर प्रभु येसु की तरह आग नहीं है ईश्वर के राज्य को फैलाने के लिए। हम भी प्रभु से वही आग दे के लिए प्रार्थना करें ।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019